10 वसंत (हिन्दी) कामचोर

Grade - 8 Classnotes

प्रश्नों को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1. कामचोर किसे कहा गया है ?

a. अम्मा को
b. अब्बा को
***c.* बच्चों को**
d. नौकरों को

2. वाद-विवाद किसके बीच हो रहा था ?

a. बच्चों के
***b.* नौकरों के**
c. रसोइए के
d. अम्मा के

3. बच्चों के द्वारा सबसे पहला काम कौन-सा किया गया ?

***a.* फ़र्शी दरी साफ़ करने का**
b. आँगन साफ़ करने का
c. पेड़ो में पानी देने का
d. खाना बनाने का

4. पलंग पर दुपट्टे से मुहँ ढाके कौन सो रहा था ?

a. अम्मा
***b.* हज्जन माँ**
c. अब्बा
d. दीदी

सही वाक्य के आगे सही (✓) और गलत वाक्य के आगे गलत (✖) का चिह्न लगाइए |

1. **वाद-विवाद में नौकरों को निकालने का तय हुआ |** ✓
2. **फ़र्शी दरी साफ करते-करते पूरे घर की सफ़ाई हुई |** ✖
3. **प्याले की सारी खीर दादी के कामदानी के दुपट्टे और ताज़े धुले हुए सिर पर लगी हुई है |** ✖
4. **तख्त पर बानी दीदी की साड़ी फैली हुई थी |** ✖

उपयुक्त शब्द का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए |

1. **बच्चे __चार__ भैंसों का दूध दुहने पर जुट गए |**
2. **तख्त पर __बानी__ दीदी का दुपट्टा फैला हुआ था |**
3. **तय हुआ कि भैंस की __अगाड़ी-पिछाड़ी__ बाँध दी जाए |**
4. **खीर के प्यालों पर आया __चाँदी के वर्क__ लगा रही थी |**

निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1. **दिन-भर की भूखी भेड़ें दाने का सूप देखकर जो सबकी सब झपटीं तो भागकर जाना कठिन हो गया। लश्टम-पश्टम तख्तों पर चढ़ गईं। पर भेड़-चाल मशहूर है। उनकी नज़र तो बस दाने के सूप पर जमी हुई थी। पलंगों को फलाँगती, बरतन लुढ़काती साथ-साथ चढ़ गईं।**
तख्त पर बानी दीदी का दुपट्टा फैला हुआ था जिस पर गोखरी, चंपा और सलमा-सितारे रखकर बड़ी दीदी मुगलानी बुआ को कुछ

10 - कामचोर

बता रही थीं। भेड़ें बहुत नि:संकोच सबको रौंदती, मेंगनों का छिड़काव करती हुई दौड़ गईं।
जब तूफ़ान गुजर चुका तो ऐसा लगा जैसे जर्मनी की सेना टैंकों और बमबारों सहित उधर से छापा मारकर गुजर गई हो। जहाँ-जहाँ से सूप गुजरा, भेड़ें शिकारी कुत्तों की तरह गंध सूँघती हुई हमला करती गईं।
हज्जन माँ एक पलंग पर दुपट्टे से मुँह ढाँके सो रही थीं। उन पर से जो भेड़ें दौड़ीं तो न जाने वह सपने में किन महलों की सैर कर रही थीं , दुपट्टे में उलझी हुई 'मारो-मारो' चीखने लगीं।

1. दिन भर की भूखी भेड़ें क्या देखकर झपटी ?
2. बानी दीदी का दुपट्टा कहाँ फैला हुआ था ?
3. कहाँ की सेना टैंकों और बमबारों सहित उधर से छापा मारकर गुजर गई ?
4. कौन एक पलंग पर दुपट्टे से मुँह ढाँके सो रहा था ?

1. दिन भर की भूखी भेड़ें दाने का सूप देखकर झपटी |
2. बानी दीदी का दुपट्टा तख्त पर फैला हुआ था |
3. जर्मनी की सेना टैंकों और बमबारों सहित उधर से छापा मारकर गुजर गई |
4. हज्जन माँ एक पलंग पर दुपट्टे से मुँह ढाँके सो रहा था |

2. इतने में भेड़ें सूप को भूलकर तरकारी वाली की टोकरी पर टूट पड़ीं। वह दालान में बैठी मटर की फलियाँ तोल-तोल कर रसोइए को दे रहीं थीं । वह अपनी तरकारी का बचाव करने के लिए सीना तान कर उठ गई। आपने कभी भेड़ों को मारा होगा, तो अच्छी तरह देखा होगा कि बस, ऐसा लगता है जैसे रुई के तकिए को कूट रहे हों। भेड़ को चोट ही नहीं लगती। बिलकुल यह समझकर कि आप उससे मजाक कर रहे हैं। वह आप ही पर चढ़ बैठेगी। जरा-सी देर में भेड़ों ने तरकारी छिलकों समेत अपने पेट की कड़ाही में झौंक दी।

इधर यह प्रलय मची थी, उधर दूसरे बच्चे भी लापरवाह नहीं थे। इतनी बड़ी फौज थी-जिसे रात का खाना न मिलने की धमकी मिल चुकी थी। वे चार भैंसों का दूध दुहने पर जुट गए। धुली-बेधुली बालटी लेकर आठ हाथ चार थनों पर पिल पड़े। भैंस एकदम जैसे चारों पैर जोड़कर उठी और बालटी को लात मारकर दूर जा खड़ी हुई।

1. तरकारी वाली मटर की फलियाँ किसे तोल-तोलकर दे रही थी ?
2. बच्चे कितनी भैंसो का दूध दुहने जुट गए ?
3. बच्चों को किस समय का खाना ना मिलने की धमकी मिल चुकी थी ?
4. किसने तरकारी छिलकों समेत अपने पेट की कड़ाही में झौंक दी ?

1. तरकारी वाली मटर की फलियाँ तोल-तोलकर रसोइये को दे रही थी |
2. बच्चे चार भैंसो का दूध दुहने जुट गए|
3. बच्चों को रात के समय का खाना ना मिलने की धमकी मिल चुकी थी |
4. भेड़ो ने तरकारी छिलकों समेत अपने पेट की कड़ाही में झौंक दी |

वाक्य को पढ़कर एक शब्द में उत्तर लिखिए |

1. कामचोर कहानी के लेखक कौन हैं ? इस्मत चुगताई

2. पानी लेने के लिए युद्ध कहाँ हुआ ? मटकों के पास

3. काम करने पर क्या देने का वादा किया गया ? तनख्वाह

4. वाद-विवाद के बाद किसको निकालने के बारे में राय बनी ? नौकरों को

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कम से कम शब्दों में लिखिए |

10 - कामचोर

1. **अम्मा और अब्बा में वाद - विवाद के बाद क्या तय हुआ ?**

   बड़ी देर के वाद-विवाद के बाद यह तय हुआ कि सचमुच नौकरों को निकाल दिया जाए।

2. **कहानी में अब्बा मियाँ ने बच्चों को क्या - क्या काम बताए ?**

   अब्बा मियाँ ने बच्चों को दरी साफ़ करना, आँगन में पड़ा कूड़ा फेंकना और पौधों में पानी डालना जैसे कुछ काम बताए।

3. **बच्चों ने अंत में क्या निश्चय किया ?**

   बच्चों ने अंत में निश्चय किया कि अब चाहे कुछ भी हो हिलकर पानी भी नहीं पिएँगे।

4. **'कामचोर' कहानी के लेखक कौन हैं ?**

   'कामचोर' कहानी के लेखक इस्मत चुगताई जी हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक से दो वाक्यों में लिखिए |

1. **एक बड़ा सा मुर्गा कहाँ कूद पड़ा और उसका क्या परिणाम हुआ ?**

   एक बड़ा-सा मुर्गा अम्मा के खुले पानदान में कूद पड़ा और कत्थे - चूने में लुथड़े हुए पंजे लेकर नानी अम्मा के सफ़ेद दूध जैसी चादर पर छापे मारता हुआ निकल गया।

2. **"जो काम नहीं करेगा, उसे रात का खाना हरगिज नहीं मिलेगा।" अब्बा ने ऐसा किस उद्देश्य से कहा ?**

   घर के काम में सहयोग व स्वयं काम करने की आदत बच्चों में विकसित करने के उद्देश्य से अब्बा ने बच्चों को ऐसा कहा , वे चाहते थे कि बच्चे कामचोरी की आदत छोड़ दे तथा घर के काम में हाथ बटाएं |

3. **कीचड़ में लथपथ बच्चों को कैसे नहलवाया गया ?**

   कीचड़ में लथपथ बच्चों को नहलवाने के लिए नौकरों की वर्तमान संख्या काफ़ी नहीं थी इसलिए पास के बंगलों से नौकर आए और चार आना प्रति बच्चा के हिसाब से नहलवाए गए।

4. **कहानी में मोटे-मोटे किस काम के हैं ? किनके बारे में और क्यों कहा गया है ?**

   कहानी में घर के बच्चे जो किशोरावस्था के लगते हैं, उनके बारे में कहा गया है। उस घर में नौकर चाकरों की कमी नहीं थी। बच्चों को अपना कोई भी काम करने की आदत नहीं थी। इसलिए उनके अब्बा ने उन्हें नाकारा कहा है।

5. **बच्चों के ऊधम मचाने के कारण घर की क्या दुर्दशा हुई ?**

   बच्चों के ऊधम मचाने के कारण सारा सामान अस्त-व्यस्त हो गया था। अच्छे-अच्छे कपड़े गंदे हो गये थे। सब्ज़ी बेचने वाली की सब्जियां बर्बाद हो गई थीं। पूरे घर में लगता था जैसे भूचाल आया हो |

6. **पेड़ में पानी डालने के लिए घर के बर्तनों की कैसी लूट मची ?**

   पेड़ में पानी डालने के लिए घर की बालटियाँ, लोटे, तसले, भगोने, पतीलियाँ लूट ली गईं। जिन्हें ये चीजें भी न मिली, वे डोंगे - कटोरे और गिलास ही ले भागे।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए |

1. **कहानी में मोटे-मोटे किस काम के हैं ? किनके बारे में और क्यों कहा गया ?**

   मोटे-मोटे से तात्पर्य यहाँ घर के सभी बच्चों से लिया गया है। बच्चे सारे दिन खेलते-कूदते रहते थे परन्तु घर के कामकाज में ज़रा सी भी मदद नहीं करते थे। उनके पिताजी ने फ़रमान जारी कर दिया कि अब ये बच्चे काम करेंगे ना कि आराम। उनके अनुसार आराम के कारण ही सब मोटे होते जा रहे हैं।

10 - कामचोर

2. "या तो बच्चा राज कायम कर लो या मुझे रख लो" अम्मा ने कब कहा और इसका क्या परिणाम हुआ ?

जब बच्चों ने घर की पूरी दुर्दशा कर दी तो अम्मा ने ऐसा कहा, क्योंकि उनका सोचना था कि उन बच्चों से कोई काम नहीं हो सकता और वे बिना वजह गंदगी ही फैलायेंगे। उनके मायके जाने की धमकी से अब्बा भी हार मान गये और बच्चों को फिर से पुराने तरीके से रहने को कहा।

3. कामचोर कहानी एकल परिवार की है या संयुक्त परिवार की ? इन दोनों में क्या अंतर होते हैं ?

कामचोर कहानी एक संयुक्त परिवार की कहानी है। इस कहानी में कई रिश्तेदारों का उल्लेख हुआ है। दोनों तरह के परिवारों की अपनी खूबियाँ और कमजोरियाँ होती हैं। संयुक्त परिवार में बच्चों का विकास बेहतर होता है और उन्हें खुशियाँ बाँटनी आती है। एकल परिवार में लोगों को जरूरी निजी स्वतंत्रता मिलती है, जिससे आत्मविश्वास का विकास होता है।अक्सर संयुक्त परिवार में चुनिंदा लोगों पर ही सारा बोझ होता है, और बाकी लोग एक परजीवी की तरह अपना जीवन यापन करते हैं। एकल परिवार के लोग भावनात्मक सुरक्षा से वंचित रह जाते हैं।

4. कामचोर कहानी क्या संदेश देती है ?

किसी भी पुरानी आदत को एक दिन में नहीं सुधारा जा सकता है। उसके लिए समय और धैर्य की जरूरत होती है। अब्बा ने एक ही दिन में खाना ना देने की धमकी देकर चाहा कि बच्चों को सुधार लेंगे, लेकिन बदले में सर फुटौव्वल ही हुई।

5. क्या बच्चों ने उचित निर्णय लिया कि अब चाहे जो भी हो हिलकर पानी भी नहीं पियेंग़े ?

बच्चों ने बिलकुल गलत फैसला लिया। जब बच्चे बड़े होने लगते हैं तो उन्हें खुद जिम्मेदारियाँ उठानी शुरु कर देनी चाहिए। यही उम्र होती है जिसमें भविष्य के लिए अच्छी आदतों की नींव डाली जाती है। स्वयं काम करने पर आत्मविसवास मे वृद्धि होती है जो भविष्य मे जीवन जीने के लिए सहायक होता है